सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, | सितंबर-अकटूबर, 2014

परमेश्वर के पास क्षमा है

मसीह का लहू हमें परमेश्वर के और एक दूसरों के समीप लाता है।

परन्तु तू तो क्षमा करने वाला है , कि लोग तेरा भय माने। (भजन संहिता 30:4)

अगर हमने आत्मिक जन्म नहीं लिया तो परमेश्वर के स्वभाव में हम भागीदार नहीं है। तब परमेश्वर को समझने की और उनकी आज्ञा मानने की क्षमता हम में नहीं होती। अगर परमेश्वर का अनुग्रह लोगों में प्रवेश नहीं करता है, तो वे कैसे उनके सत्य को मानेंगे ? एक पापी के लिए परमेश्वर के सामने कोई स्थान नहीं है। वह परमेश्वर का अनुग्रह है जिस के द्वारा ही आप नम्रता और टूटापन पाते हो।

'टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है; हे परमेश्वर, तू टूटे और पिसे हुए हृदय को तुच्छ नहीं जानता। ' (भजन संहिता

परमेश्वर के पास ... पृष्ठ 3 पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

Star Utsav

चैनल पर

*हर **शनिवार सुबह 7:30 से 8:00** बजे*

उसके लहू ने हमारे पापों का दाम चुकाया!

'परन्तु तुम जो पहिले मसीह यीशु से दूर थे अब मसीह के लहू के द्वारा उसमें समीप लाए गए हो। ' (इफिसियों 2:13)

यीशु के लहू के द्वारा नजदीक लाए गए हो ! क्या यह सरल मामला नहीं है ? वे दिन बीत गए हैं जब लोग गंभीरता से परमेश्वर को खोजते हों। और विषेशकर भारत में , सुदूर अंचल में, खतरनाक यात्राओं को सहते हुए अपने प्रभु से मिलने के लिए वे जाते हैं ! मैंने बहुत से तीर्थयात्रियों को कशमीर जाते हुए देखा। कहा जाता है कि एक गुफा में, एक प्रकार की प्रतिकृति या भगवान की मूर्ति बर्फ से बनी है और यह हज़ारों लोगों को आकर्षित करती है हालाँकि वहाँ का वातावरण जो खतरों से भरा है क्योंकि काशमीर के लोग हिन्दुत्व के साथ कुछ करना नहीं चाहते हैं। पर मनोरंजक बात है , कि गर्मी का समय बहुत गर्म होता है तो भगवान को पिघला देता है ! मेरे प्रिय लोगों, अंधविश्वास हमेशा लोगों पर अपनी पकड़ बनाये रखता है। पर सत्य हमें सब बंधन से मुक्त करता है। अंधविश्वास हमें भय से भर देता है और यह हमें परमेश्वर के पास नहीं लाता है। यह केवल यीशु का लहू है, जो हमें परमेश्वर के निकट लाता है।

सरकार में परिवर्तन होने से हृदय में परिवर्तन नहीं होता है। निश्चय ही नया प्रशासनिक कानून पुराने को बदल देता है। परमेश्वर के निकट लाना एक अलग ही मामला है। लोग प्रबोध होने की बातें करते हैं। पर क्या आपकी संस्कृति और शिक्षा आपको परमेश्वर के पास ला सकता है ? नहीं, मेरे लड़कपन के समय हमारे परिवार में एक रसोइया था। ओह, वह कैसे प्रार्थना करता था ! रसोईघर के बगल में ही एक कमरा था वहां से प्रार्थना करने की आवाज सुनाई देती थी। वह हिन्दु था और उसने अपनी पत्नी को भगा दिया था , क्योंकि वह नहीं जानता था कि ऐसा करना गलत है। प्रभु यीशु ने उससे मिलकर कहा, 'इस स्त्री को भेज दो जो तुम्हारी पत्नी नहीं है और अपनी असली पत्नी को वापस ले आओ।' बिना लहू, धार्मिकता के हमारे सब पाप नहीं धुल सकते हैं।

बाइबल कहता है , 'यदि

हम ज्योति में चलें जैसा वह स्वयं ज्योति में है , तो हमारी सहभागिता एक दूसरे से है, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध कर सकता है।' (1 यूहन्ना 1 :7) यीशु का लहू जो हमें परमेश्वर के निकट लाता है साथ ही हमारे भाईयों के भी निकट लाता है। यीशु का लहू हमें हमारे सभी पापों से शुद्ध करता है और तब हम एक दूसरे के साथ कहभागिता रखते हैं।

'यदि हम अपने पापों को मान लें तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है। ' (1 यूहन्ना 1 :9) वह हमारे उद्धारकर्ता - एक शुद्ध करने वाले, एक जो हमारे अंदर एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न करनेवाला है। शैतान का मिशन यह है कि कुछ बेकार की बातों से लोगों को विभाजित कर दें। मैं नहीं जानता कि इस प्रकार कितने लोगों में यह साहस है कि इस प्रकार के लोगों को डांट सकें, 'क्यों आप बेकार और नकारात्मक बातों को करते हैं ?' कृपया ऐसा न करें , बच्चों, मैं आपको बताता हूँ , जब हमारे परिवार में बेकार की बातें होती हैं, खास कर परमेश्वर के बच्चों के विरुद्ध आलोचनात्मक बातें , अपने माता पिता से प्रेम और आदरपूर्वक कहो,' आप जो कर रहे हैं वह सही नहीं है। ' जब शैतान घर में प्रवेश करता है तब परमेश्वर के बच्चों के लिए इस प्रकार की नकारात्मक बातें होती हैं, आपको चुप नहीं रहना होगा। एक पक्षाघात से ग्रस्त व्यक्ति , जब वह अपनी कुर्सी पर बैठा था और उसने एक कोबरा को घर में घुसते देखा। हालाँकि वह पक्षाघात व्यक्ति था वह अपने सीट पर बैठा नहीं रह सका और सांप को मारने की कोशिश में उठने की चेष्टा की। पर जब कोबरे की तरह ही हमारे हृदय और घर के अंदर नकारात्मक बातें प्रवेश करती है , आपको क्या करना चाहिए ? आपको उठ कर कोब रे को मार डालना चाहिए , जिसका मतलब नकारात्मक और बुरी बातों को मार डालना है और इस तरह की बातें करने वाले लोगों को डांटना है और इस तरह के वि ष पर जल्दी ही विजय पाना है। जब हम परमेश्वर के निकट लाए जाते हैं, हम एक दूसरे के निकट लाए जाते हैं और सभी नकारात्मक और बुरी बातें लुप्त हो जातीं हैं।

'और उन्होंने यह नया गीत गाया : 'तू इस पुस्तक को लेने और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है क्योंकि तू ने वध होकर अपने लहू से प्रत्येक कुल , भाषा, लोग और जाति में से परमेश्वर के लिए लोगों को मोल लिया है। ' (प्रकाशितवाक्य 5:9) हाँ, हम यीशु के लहू के द्वारा छुड़ाए गए हैं। इस सहभागिता के आरंभ में , हम परमेश्वर के वायदों पर निर्भर थे। मेरे पिता ने गाया, 'पाप का हमारे उपर कोई प्रभुत्व नहीं रहेगा, ओह! क्या ही धन्य वचन, यह सत्य है! पाप का हमारे उपर कोई प्रभुत्व नहीं रहेगा। ' हम लहू के द्वारा छुड़ाए गए हैं और हमें पाप को हमारे उपर प्रभुत्व करने की अनुमति नहीं देना चाहिए।

हम प्रकाशितवाक्य 12:10 पढ़ते हैं, 'तब मैंने स्वर्ग में एक बड़ा शब्द यह करते सुना , 'अब हमारे परमेश्वर का उद्धार , सामर्थ्य और राज्य तथा उसके मसीह का अधिकार प्रगट हुआ है , क्योंकि हमारे भाईयों पर दो ष लगानेवाला, जो हमारे परमेश्वर के समक्ष रात और दिन उनको दो षी ठहराता था, नीचे गिरा दिया गया है।' कुछ लोग आज भी शैतान के कार्य को जारी रखे हैं। वे कहते हैं, 'वे गलत हैं। ' उनकी आंखों में गलती हैं। अच्छा , क्या इसका मतलब केवल आप ही सही हैं ? लोग कुछ लम्बे पत्र मुझे लिखते हैं। वे दूसरों के पाप के बारे

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

लिखते हैं। मुश्किल से ही कोई अपनी गलतियों के बारे पत्र में लिखते हैं। क्या यही ईमानदारी है? नहीं, इस प्रकार के लोगों को अपना समय मत देना। वे शैतान की तरह भाईयों और बहनों पर दोष लगाते हैं। 'और वे मेम्ने के लहू के कारण और अपनी साक्षी के वचन के कारण उस पर विजयी हुए हैं, क्योंकि मृत्यु सहने तक भी उन्होंने अपने प्राणों को प्रिय न जाना।' प्रकाशितवाक्य (12:11)

मेम्ने के लहू के द्वारा शैतान पर हम विजयी हुए हैं। यह न केवल योगाभ्यास या कुछ स्वयं सुधारनेवाली सिस्टम या इच्छा शक्ति की कसरत है। ये सभी असफल होंगे। पर वे लहू और उसकी साक्षी के द्वारा शैतान पर विजयी हुए हैं। सो यह यीशु का लहू है जो हमें परमेश्वर के निकट लाता है। यह वह लहू है जो हमें शुद्ध करता है और हमारे भाईयों और बहनों के बीच स्वतंत्रता ला ता है। यह लहू जो हमें छुड़ाता है। और विजयी बनाता है। हमें आगे जाकर लहू से विजय का दावा करना है। परमेश्वर हम पर दया करें और यीशु के लहू के द्वारा विजयी बनायें।

- जोशुआ दानिय्येल।

परमेश्वर के पास ... पृष्ठ 1 से

51:17) परमेश्वर के सामने उपस्थित होने के लिए हमें एक टूटा और पिसा हुआ हृदय चाहिए। डॉक्टर हमें एक ऑपरेशन थिएटर में आने नहीं देंगे, वे हमारे रूमाल का प्रयोग नहीं करेंगे। वे बहुत सावधानी बरतते हैं और जीवाणुहीन की हुई चीजों को ही इस्तेमाल करते हैं। हाँला कि हम योग्य नहीं है, फिर भी हम उनके सामने जाते है और उनकी उपस्थिति की माँग करते है। 'प्रभु, मैं अयोग्य हूँ। अपना पाप जानना मुझे सिखाओ।' ऐसे प्रार्थना करो। एक गणित के अध्यापक , केवल एक प्रश्न को सुलझाने में आप गलती करें तो वह आपको त्याग नहीं देता। वह आपको माफ करता है। परमेश्वर के पास आप के लिए क्षमा है।

कई बार हम आत्मसन्तुष्ट होकर लाप रवाही से परमेश्वर के सामने जाते हैं। फिर भी परमेश्वर आप को क्षमा करके, साथ नहीं छोड़ते है। आप तुरन्त सिद्ध बन जाओ , परमेश्वर आप से यह अपेक्षा नहीं रखते। क्रूस से निकलने वाले प्रकाश के किरण आप को कभी भी निराश नहीं होने देंगे। क्रूस के पास , आप अपनी कमजोरियों को समझ पाते हो। परमेश्वर जानते हैं कि आप शून्य से भी नी चले स्तर पर हो। फिर भी वे आप को माफ करते हैं। आप निराश ना हो। आपके विषय में उनके मन में बहुत बड़ी योजना है। आप आगे बढोगे। परमेश्वर आशा रखते हैं कि उनकी योजनाए आप में सफल करें। एक लड़के ने गणित में एक दफा शून्य अं क प्राप्त किया था। फिर मुड़कर वह कक्षा में दूसरे स्थान पर आया था। यीशु कायर पतरस की तरफ देखते है और कहते हैं कि वह एक चट्टान बनेगा। मैं नहीं जानता कि वह आपको क्या नया नाम देंगे, जैसा नाम दिया है वैसा ही आपको वे बनायेंगे। जब सन्त फ्रान्सीस एक नौजवान था , वह एक शेखीबाज था। मगर परमेश्वर ने उसके हृदय में जो नम्रता है उसको देखा था। उसको एक विनम्र आदमी बनाया। एक समय पर वह अपने पिता का, अपने घर और उसके पहनावे को लेकर वह बहुत घमण्ड करता था। वह एक व्यर्थता से भरा जवान था। मगर परमेश्वर ने उस में एक महान व्यक्तित्व और एक विनम्र आदमी को देखा था। आप स्वयं को नहीं पहचानते। कदम दर कदम , आपको सिद्ध बनाने के लिए, परमेश्वर के पास आप के लिए क्षमा है। हर दिन परमेश्वर आपको अप नी गलतियों को दिखायेंगे। उस के बारे में तुरन्त पश्चाताप करके माफी माँग ले। परमेश्वर का वचन आपके विचारों पर कार्य करेगा। आपको शुद्ध होने की जरूरत है। और परमेश्वर का वचन शुद्ध करने वाला साधन है। वह आपके विचारों को साफ करेगा। अपने दोस्तों के विषय में सावधान रहें। उनको चिताने की बात परमेश्वर से प्रभावित हो।

फिर भी उन्होंने अपने मुँह से उसकी चापलूसी की और अपनी जीभ से उससे झूठ बोला। उनका हृदय तो उसके प्रति दृढ़ न था, न वे उसकी वाचा के प्रति सच्चे थे। (भजन संहिता 78 :36-

37) मुझ से सलाह लेने आये एक मिशनरी के बारे में परमेश्वर ने मुझे यह वचन दिया था। आप कहते हैं, परमेश्वर प्रेमालू है। क्या आप लोगों को , परमेश्वर का प्रेम दिखा पा रहें हो ? परमेश्वर चापलूसी नहीं चाहते। बहुधा परमेश्वर के प्रति हमारा हृदय सही नहीं है। 'जो मैं करने पर हूँ , क्या उसे इब्राहीम से छिपा रखूँ ?' (उत्पत्ति 18 :17) परमेश्वर आप से कुछ भी छिपाना नहीं चाहते है। जब मैं हजारों मील दूरी पर उसिलमपट्टी में था , परमेश्वर ने मेरे पिताजी की मृत्यु के बारे में मुझे दिखाया था।

परमेश्वर आप में एक संत महिला और एक समाज सुधारक को देखते है। 'यहोवा मेरे लिए सब कुछ पूरा करेगा।' (भजन संहिता 138 :8) उस में आप के लिए क्षमा है कि आप उनके जैसा सिद्ध बनो।

- एन. दानिय्येल।

अन्नतकाल

सन 1884 सिड्नी , ऑस्ट्रेलिया में जन्मा ऑर्थर स्टेस का बाल्य जीवन भ्रष्टता से भरा था। उसके माता-पिता और चारों भाई-बहन शराबी थे। जब वे पी रहे होते, तो रात के समय आर्थर घर के निचले भाग में भरे बोरों के ऊपर सिकुड़कर सो जाता। वह घरों की देहली जों से दूध चुराता था। खाने की चीजों के लिए कचरे में चप्पा चप्पा छान मारता। दुकानों से चोरी-छिपे चीजें उठा लेता था। वह स्कूल नहीं जाता था और उसे पढ़ना-लिखना नहीं आता था।

एक भटक ते शराबी आर्थर को पंद्रह साल की अल्प आ यु में ही उसे पहली बार जेल में डाला गया। किसी भी तरह उसने कोयले की खान में काम खोज लिया। मगर पह ली तनख्वाह एक होटल में सारी खर्च कर दी; लम्बे समय तक उस नौकरी में टिक नहीं पाया। जेल से आने के बाद अपराधियों के बीच काम किया थाः वह छोटा था और 'काकातुआ' (पुलिस की आने की वह चेतावनी देता) बना था। गैरकानूनी जु ए के अड्डों को चिताने वाला , उसकी बहन की वेश्यालय में दारू पहुँचाने वाला और सें ध मारने वालों के लिए पहरेदार बन बैठा।

सन 1916 में , पहले विश्व युद्ध के दौरान वह फ्रां स की सेना में भरती हो गया । विशवायु के कारण एक आँख में अंधा होकर वह वापस लौटा। 1920 के आस पास के सालों से उस महान मंदी (दा ग्रेट डिप्रेशन) के बीचों -बीच तक उस की शराब की लत और बदतर हो ग ई। निराश्रय, गन्दा और दुःखी , वह देशी दारू की बोतल खरीदने के लिए पैसों की भीख माँगता था। इस तरह वह अपने दुःख को कुछ समय तक भूलने की कोशिश करता।

आर्थर ने बाद में एक रिपोर्टर से कहा कि सन 1930 में उसके सेन्ट्रल कोर्ट के सामने हाजिर होना पड़ा था। 'क्या तुम नहीं जानते कि तुम को रिहा करने की या 'लॉग बे ' जैल में भेजने का सामर्थ्य मुझ में है ?' माजिस्ट्रेट ने कहा। 'हाँ, सर,' आर्थर ने उत्तर दिया। माजिस्ट्रेट के प्रश्न में से एक शब्द ने उस पर बहुत प्रभाव डाला : 'सामर्थ्य' उस शराब की लत से बाहर आने के लिए जो उसे चाहिए वह 'सामर्थ्य' ही है। वह बार बार निर्णय करता मगर विफल होता और उससे जरा भी लाभ नहीं होता। एक दिन वह रीजेन्ट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन गया और वहाँ के सार्जेंट से विनती की कि उसे जेल में बंद क र दें : 'सार्जेंट, मुझे अन्दर करो। मैं भला नहीं हूं। मैं आठ साल से पियक्कड़ हूँ। मुझे एक मौका दो और मुझे अंदर बन्द कर दो।'

उस साल गर्मी के दौरान , ऑर्थर एक गिरजाघर के पास से गुजरा। वहाँ उसके साथी जो शराबी थे , इन्तजार कर रहे थे। जाहिर है कि , गिरजाघर हॉल में मुफ्त खाना दिया जायेगा - जो 1930 के काल में एक अनमोल तोहफ जैसा था। मगर फिर भी उन सब को पहले संदेश सुनना

सत्य की परख!

"हे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर, अपने नाम की महिमा के निमित्त हमारी सहायता कर , और अपने नाम के निमित्त हमे छुड़ा कर हमारे अपराधों को ढांप दे। " भजन संहिता (79:9)

पड़ेगा।

गंदे दिखने वाले तीन सौ आदमियों से वह हॉल भरा था जो तबाह हो गये है। मगर मंच पर बैठे छः साफ सु थरे आदमियों को देखकर उसे साजिश जैसा लगने लगा। बगल में एक कुख्यत अपराधी की तरफ फिर कर, उसने पूछा, 'वे कौन हैं ?' 'मैं मानता हूँ कि वे मसीही है। ' जवाब आया। 'जो उन के पास है वह मैं भी हासिल करने जा रहा हूँ। ' घुटनों के बल गिर कर, ऑर्थर ने प्रार्थना किया। उसका जीवन तबाही में है और उसको मदद की जरूरत है।

सभा के बाद , ऑर्थर एक पार्क में गया और एक अंजीर के पेड़ के पास घुटनों पर बैठ गया। परमेश्वर के प्रति जो पापों को किए उसके लिए उसने पश्चात्ताप किया। उसके पापों को अपने ऊपर उठाने वाले मसीह यीशु को अपना उद्धरकर्ता ग्रहण किया। शान्ति ने उसमें प्रवेश किया। कुछ ही ह फ्तों में ऑर्थर शराब की लत से मुक्त हो गया। उसका जीवन बदल गया। उसने जल्दी ही एक काम ढूढ़ लिया और इमानदारी से पैसे कमाने लगा।

कुछ दो सालों के बाद , ऑर्थर ने प्रचारक जॉन जी. रिडले द्वारा दिया गया एक प्रभावशाली संदेश जो यशायाह नबी के पुस्तक पर आधारित है , सुना थाः (ईसापूर्व - आठवी शती) 'क्योंकि जो अति महान और महिमामय है जो अनन्तकाल तक बना रहता है, और जिसका नाम पवित्र है , वह यों कहता है ; ' मैं ऊँचे पर और पवित्र स्थान में निवास करता हूँ , और उसके संग भी रहता हूँ जो आत्मा में नम्र और दीन है , जिससे कि दीन की आत्मा और नम्र हृदय को पुनर्जीवित करूं। ' (यशायाह 57 :15) 'अनन्तकाल', प्रचारक ने घोषण किया, 'मैं आशा करता हूँ कि काश मैं सिडनी के सडकों पर हर एक को वह शब्द चिल्लाकर सुनाऊँ। इस प्रश्न का आप को सामना करना होगा। आप अपना अनन्तकाल कहाँ बिताने वाले हो?'

ऑर्थर ने निश्चय किया कि अपना विश्वास उसे लोगों से बाँटना होगा। 'अनन्तकाल मेरे दिमाग में गुंजता रहा ,' उन्होंने कहा, 'और अचानक मैं रोने लगा। और प्रभु से एक प्रभावशाली बुलावे को महसूस किया कि मैं 'अनन्तकाल' शब्द लिखूं। आलौकिक रीति , एक अनपढ़ अदमी को परमेश्वर ने 'अनन्तकाल' इस शब्द को लि खने की क्षमता प्रदान की। बाद में वह इस शब्द को सुन्दर और बड़े अक्षर में लिखता।

ऑर्थर सुबह चार बजे उठता और प्रार्थना करता कि वे अपना कर्तव्य कहाँ शुरु करें ? सिडनी की सड़कों के फुटपाथ पर वह झुक कर हर एक गज की दूरी पर पीले खडिया से लिखता 'अनन्तकाल'। जहाँ भी वो सोचता और रेल स्टेशन के प्रवेश द्वारों के सामने भी वह लिखता। इस तरह वो दस बजे तक खत्म कर अपने काम के लिए निकल पड़ता। अनुमान लगाया जाता है कि अपने 35 सालों में उन्होंने 'अनन्तकाल' का शब्द 500 ,000 बार लिखा था।

अपने फुटपाथों को खराब करे, सिडनी सिटी कौन्सिल उससे प्रसन्न नहीं थे। 24 बार ऑर्थर को गिरफ्तार करने तक की नौबत आई। मगर जब भी वह पकड़ा जाता, वह कहता, 'मुझे तो उच्च स्थान से इज़ाज़त मिली है। 'आदमी जो 'अनन्तकाल' लिखता है' और 'श्रीमान-अनन्तकाल' नाम से वह विख्यात हो गया।

इस एक शब्द संदेश लेखक को सिर्फ कुछ लोग ही पहचानते जब तक कि एक चर्च के पादरी जहाँ वे एक क्लीनर का काम करता था उसको खोज नहीं लिया। सन 1967 में , 83 साल की आयु में ऑर्थर का नि धन हो गया। वह शर्मीला आदमी था। मगर शनिवार की रातों को गलियों के कोनों पर वह प्रचार करने लगा। अगर कोई उनसे पूछते कि वह क्या कर रहा है ; वह विवरण देते थे कि परमेश्वर ने मानव जाति को अनन्तकाल के लिए बनाया है। मगर अनन्तता आप कहा बिताने वाले हो , स्वर्ग में या नरक में , यहीं बहुत बड़ा सवाल हैं।

ऑर्थर जी का 'अनन्तकाल' का यह विशिष्ट पीले चाक (खडिया) का शब्द , सिडनी के जी.पि.ओ क्लॉक टवर की घंटी में आज भी लि खा हुआ है। 2000 सहस्रब्दी के पूर्व संध्या पर ऑर्थर को परमेश्वर द्वारा दिये उसी लिखावट के बहुत बड़ा, अंगारा सा 'अनन्तता' शब्द के अक्षर सिडनी हार्बर पुल के आर-पास प्रज्जवलित किया गया था। उनको दी गई यह श्रद्धांजलि दुनिया भर के अरबी लोगों ने देखी थी।

मित्र , अनन्तकाल आप कहाँ बिताने वाले हो?

एक माँ ने चंगाई पाई

उन्नीस वी सदी के अंत में चीन समेत कई और अन्य देशों में परमेश्वर की सेवा करने वाले , सी.टी. स्टड ओर प्रिसिल्ला स्टड़ , एक जोड़ी थे। वे चाहते थे कि लोग यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत प्रभु और उद्धारकर्ता को जान अपना लें। अफीम जैसे मंदक द्रव्यों के आदी लोगों के पुनर्वास के लिए सी .टी. स्टड़ ने एक आश्रम भी खोला था। उन में से कुछ लोगों ने उद्धार पाया और स्वस्थ हो कर चले भी गये थे।

प्रिसिल्ला अप ने पहले प्रसव में बच्चा जनने के इन्तजार में थी। कई दिनों की दूरी तक , कोई डॉक्टर या नर्स नहीं था। उन्होंने तय किया था कि वे प्रसव के लिए डॉक्टर के नजदीक वाली जगह रहने नहीं जायेंगे। ऐसा करने से उनको पाँच मही ने, प्रभु की सेवा करने से वंचित और वहाँ से दूर रहना पड़ेगा। क्यों ना डॉक्टर यीशु के पास रहें?

प्रसव के समय, वह खुद अपनी डॉक्टर ब नी, इस तरह से प्रभु ने प्रिसिल्ला की मदद की। और फिर एक सहायक ने उनके लिए प्रार्थना की। एक महिला मिशनरी ने बाद में आकर उसकी देखभाल की। मगर वह दुबारा बीमार पड़ गयी थी। कुछ गड़बड़ हो ग ई थी और प्रिसिल्ला को बहुत भयानक पीड़ा सहनी पड़ी।

कुमारी खेर , जो उसकी मदद करने आयी थी, उन्होंने पूरी कोषिश की मगर प्रिसिल्ला और कमजोर होती गयी। मिस खेर ने श्रीमान सि. टी. स्टड से कहा ; 'वह पूरी तरफ से टूट रही है। अब ज्यादा दिन इस चीन देश में और नहीं जी सकती। अगर वह इससे बच निकली तो, बेहतर यही होगा कि आप उसे अपने घर वापस लेकर जाओ।' दु:ख, थकान और व्यकुलता की नींद से सी.टी उठे। 'यहीं पर पूरे मन से हम अपनी जान दे देंगे। ' उन्होंने कहा , 'यदि प्रभु अपने आप हमें घर वापस भेज दें तो सही, मगर अपने मन से आप हम घर कभी नहीं लौटेंगे।।'

सी.टी चाहते थे कि परमेश्वर ही उन की सुनें और उनकी पत्नी को स्वस्थ करें ; उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया है और वह वि श्वसनीय हैं। सी.टी ने कहा : 'चलो, आओ हम प्रिसिल्ला को तेल से अभिषेक करें और परमेश्वर से माँगें कि वह उसे बिमारी के बिस्तरे पर से उठायें।' (याकूब 5 :14-16) में बाइबल कहता है: 'क्या तुम में कोई रोगी है ? यदि है तो कलीसिया के प्राचीनों को बुलाए और वे उस पर तेल मल कर प्रभु के नाम से उसके लिए प्रार्थना करें। और विश्वासपूर्ण प्रार्थना के द्वारा रोगी चंगा हो जाएगा और प्रभु उसे उठा खड़ा करेगा, और यदि उसने पाप किए हों तो वे भी क्षमा कर दिए जाएगे। इसलिए तुम परस्पर अपने पापों को मान लो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, जिससे कि चंगाई प्राप्त हो। धर्मी जन की प्रभावशाली प्रार्थना से बहुत कुछ हो सकता है।')

मिस खेर तो साथ नहीं थीं, मगर सी.टी ने अकेले घुटने टेककर अपनी पत्नी को , प्रभु के नाम से तेल का अभिषेक कर प्रार्थना किया था। तुरन्त वह संकट टल गया।

सुबह जब प्रिसिल्ला की देखभाल करने के लिए मिस. खेर आयीं, तो उ न्हें स्वस्थ पा या। प्रिसिल्ला ने कहा कि सी.टी ने तेल से अभिषेक कर उस के लिए प्रार्थना की थी। और मिस. खेर कि यह प्रतिक्रिया थी , 'अच्छा, यह तो बहुत अद्‌भुत है।'

'हाँलाकि हम गरीब पापी हैं और नाचीज़ है ,' सी.टी ने बाद में कहा, 'फिर भी जब उनके सामने रोयें तो प्रभु हमारी सुनते हैं।'

- नॉर्मन ग्रब्ब का सी.टी. स्टड़ : क्रिकिटर और पाइअनिऑर देःखे।

एक कक्षा में प्रार्थना सभा

'संजीवन' वह है जब स्वयं परमेश्वर अप ने आत्मा द्वारा नीचे उतर आते है कि वे अपने लोगों को पाप से बचाये। सन 1857-58 में ऐसा ही संजीवन कनक्टिकट नामक जगह में आया था। माइकल नामक एक नौजवान ने, परमेश्वर के पीछे चलने के लिए अपना मन फिराया था।

माइकल चाहता था कि दूसरे लोग भी जान पाये - परमेश्वर का अपना होना कितनी अद्‌भुत बात है। वह एक निष्क्रिय मसीही बनक र नहीं रहना चाहता था। या फिर अप ने विश्वास के विषय में वह सिर्फ तरफदारी या बचाव में कुछ करना चाहता। बल्कि वास्तव में अपने दोस्तों को मसीह की तरफ फिरते वह देखना चाहता था।

उस मकसद की तरफ आगे बढ़ते, माइकल ने घोषणा की

कि दोपहर , भोजन-विराम के समय, पाठशाला कक्ष में , एक प्रार्थना सभा आयोजित होगी। कुछ बच्चे उत्सुक थे और कुछ बच्चों ने उसका मजाक उड़ाने की आशा की। माइकल कुछ गाने चुनता , पवित्र वचन का कुछ भाग पढ़ता और जोर से प्रार्थना करता। वह सुसमाचार व्यक्त करने की कोशिश में लगा रहता - यीशु मसीह का सुसमाचार - इस तरह दूसरे विद्यार्थियों से बाँटता जाता। उनमें से कुछ लोग सुनते थे और कुछ लोग मजाक उड़ाते थे।

एक दिन उस पाठशाला कक्ष में इकट्टे विद्यार्थियों को देखने एक अध्यापक आया था। लोगों का मदद करने की, माइकल की इच्छा और दृढ़ संकल्प को देख कर , उन्होंने ऐसे विद्यार्थी जो सिर्फ आतंक मचाने आये थे , उन सब को बाहर कर दिया। जल्दी ही कुछ बच्चे अपनी आत्मा के बारे में व्याकुल होकर अपने पापों के बारे में पश्चाताप करने लगे। और प्रभु ने उनको बचाया।

अपने बच्चों में आये बदलाव को देख कर , उन बच्चों के कई माता-पिता प्रभावित हुए है: जब कुछ गलती करें तो तुरंत माँफी माँगने लगे है। और ज्यादा आज्ञाकारी बन गये है। वे माता-पिता भी उस प्रार्थना सभा में भाग लेने लगे और परमेश्वर की कृपा खोजने लगे। कुछ मसीही सेवकों ने यह देखा और उस की जिम्मेवारी लेने लग गये। इस तरह कुछ साठ लोगों ने उद्धार पाया था।

बहुत सरल तरीकों , अनंत कालीन दण्ड से और अधिक आत्माओं को बचाने के लिए , परमेश्वर नन्हें बच्चों का भी इस्तेमाल करते है।

'प्रभु ... यह नहीं चाहता कि कोई नाश हो , परन्तु यह कि सब पश्चाताप करें।' (2 पतरस 3:9)

- डयाना क्लिन द्वारा लिखित सोइंग दा सीड़ देखे।